B.A. (Honours) Examination, 2018
Semester-IV
Hindi
Course : H-7
(कथा साहित्य भाग-I)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×8=16

(क) त्यागी दो प्रकार के होते हैं। एक वह जो त्याग में आनन्द मानते हैं; जिनकी आत्मा को त्याग में पूर्णता का अनुभव होता है, जिनके त्याग में उदारता और सौजन्य है। दूसरे वह, जो दिलजले त्यागी होते हैं; जिनका त्याग अपनी परिस्थितियों से विद्रोह मात्र है, जो अपने न्यायपथ पर चलने का तनाव संसार से लेते हैं। जो खुद जलते हैं इसलिए दूसरों को भी जलाते हैं।

(ख) इतनी उम्र बिताकर बहुतों को मरते और उनसे बहुतों को जीते देखकर अगर मैं कुछ चाहता हूँ तो वह यह है कि भीतर का दर्द मेरा इष्ट हो। धन न चाहूँ मन चाहूं। धन मैल है। मन का दर्द अमृत है। सत्य का निवास और कहीं नहीं है। उस दर्द की साभार स्वीकृति में से ज्ञान की और सत्य की ज्योति प्रकट होती।

(ग) मनुष्य समाज समय की नदी के तट पर स्थित वन समान है। समय की नदी में आने वाला प्लावन इस वन भूमि को उर्वरा करते रहते हैं। इस प्रकार सागल के नगर समाज में परिवर्तन के अनेक प्लावन आये और भावनाओं और अनुभूतियों के उर्वरा स्तर समाज की भूमि पर छोड़ते गए।

(घ) मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है। जन्म-भर की घटनाएँ एक एक करके सामने आती हैं। सारें दृश्यों के रंग साफ होते हैं, समय की धुन्ध बिल्कुल उनपर से हट जाती है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : 2×12=24

(क) "कर्मभूमि' उपन्यास राष्ट्रवादी आन्दोलन की पृष्ठभूमि मे रचा गया है' इस कथन के आलोक में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ख) 'दिव्या' उपन्यास में स्त्री-मुक्ति और संघर्ष के रूप को रेखांकित कीजिए।

(ग) 'मन की उलझनों को पकड़ पाने में और मानसिक द्वन्द्व की स्थिति को भांपने में जैनेन्द्र सक्षम हैं' इस कथन के सन्दर्भ में 'त्यागपत्र' की समीक्षा कीजिए।

(घ) कहानी-कला की दृष्टि से 'उसने कहा था' अथवा 'ममता' कहानी की समीक्षा कीजिए।